B.Ed 2nd year  5 may 2020
समावेशी शिक्षा  Tuesday

# समावेशी शिक्षा में ई-लर्निंग एवं वेब पर आधारित अधिगम

## E-Learning & Web Based Learning in Inclusive Education

E-Learning — एक प्रकार का अधिगम है, जिसमें इलैक्ट्रॉनिक माध्यमों अथवा इंटरनेट के द्वारा अधिगम प्रदान किया जाता है। ई लर्निंग को 'इलैक्ट्रॉनिक अधिगम,' 'ऑन लाइन अधिगम', एवं 'कम्प्यूटर प्रोत्साहित' अधिगम' भी कहा जाता है। इसका आरम्भ ब्रिटेन में हुआ।

दूसरे शब्दों में — 'ई लर्निंग' एक नवाचारी सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी का रूप है, जिसमें कम्प्यूटर की इन्टरनेट सेवाओं एवं वेब तकनीकी का ऑन लाइन प्रयोग विशिष्ट एवं सामान्य छात्रों के शिक्षण अधिगम में करते हैं।

ई-अधिगम में इन्टरनेट प्रणाली का उपयोग किया जाता है। इन्टरनेट तकनीकी द्वारा पाठ्यवस्तु का संचार किया जाता है। जिससे ज्ञान में वृद्धि की जाती है। और छात्रों की निष्पत्ति में भी वृद्धि होती है। — रोसन बर्ग

## ई - लर्निंग की विशेषताएँ

- इण्टरनेट सेवाओं एवं वेब तकनीकी से युक्त ऑनलाइन अधिगम
- कम्प्यूटर अधिगम / कम्प्यूटर सह अधिगम से अधिक, लाभप्रद।
- आभासी कक्षा, कृत्रिम बुद्धि, अधिगम आदि का प्रयोग शिक्षण अधिगम के लिए इण्टरनेट के माध्यम से।
- इण्टरनेट आधारित सम्प्रेषण जैसे — ई-मेल, वीडियो कान्फ्रेंसिंग चैट एवं वेब आधारित अनुदेशन अत्यन्त सहायक।

## ई - लर्निंग के लाभ

- किसी भी समय / किसी भी स्थान पर सूचनाएँ प्राप्त करना सम्भव।
- अधिगम सामग्री के प्रस्तुतीकरण के माध्यम जैसे - सी डी, लैपटॉप, डी.वी.डी आदि के कारण अधिगम में लचीलापन।
- ई-लर्निंग के द्वारा सुविधानुसार अधिगम प्राप्त करना।
- विशिष्ट एवं सामान्य छात्रों को करके सीखने का अनुभव प्राप्त।
- उपचारात्मक एवं निदानात्मक शिक्षण में सहायता।

## ई-लर्निंग की सीमाएँ

- ई-लर्निंग के लिए छात्रों को प्रेरित करना असम्भव।
- तकनीकी के अभाव में लाभ प्राप्त नहीं किया जा सकता।
- विशिष्ट / सामान्य छात्रों, शिक्षकों / अभिभावकों आदि में नकारात्मक भाव।
- विशिष्ट एवं सामान्य छात्रों को एकाकीपन अनुभव होना।
- शिक्षक छात्र अन्तः क्रिया से मानवीय सम्बन्ध विकसित।
- ई-लर्निंग प्राप्त करने के लिए लैपटॉप, दूरसंचार एवं वेब सेवाएँ, इण्टरनेट की सेवाएँ होनी चाहिए, जो सम्भव नहीं।

B.R.C. Deoband
Miss Bro-Sapna Tyagi

Scanned with CamScanner